NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

CUH signed MoU with and Haryana Space Application Centre, Hisar

News Paper: Dainik Jagran

Date: 15-01-2022

हकेंवि के साथ मिलकर काम करेगा हरसैकः प्रो. टंकेश्वर कुमार

शिक्षण, अनुसंधान व प्रशिक्षण के लिए समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर

संवाद सहवोगी, महेंद्रगढ़ः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ और हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (हरसैक), हिसार जियो-इफोर्मेटिक टैक्नोलाजी के क्षेत्र में अब मिलकर शिक्षण, अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्यक्रम के क्षेत्र में करेंगे। दोनों ही संस्थानों ने इस संबंध में आपसी साझेदारी हेतु शुक्रवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञॉपन पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को ओर से कुलसचिव, प्रो. सारिका शर्मा ने और हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (हरसैक) की से दोनों संगठन मिलकर इस क्षेत्र में से विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के लिए और से निदेशक डा. वीएस आर्य नए बदलावों का मार्ग प्रशस्त करेंगे। में रिमोट सेंसिंग और जीआइएस विश्वविद्यालय के सम्मेलन कक्ष में ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस आपसी सांग्रेदारी का उद्देश्य विकास कार्यक्रम, विशेषज्ञ व्याख्यान सेल के उप निदेशक व भुगोल विभाग निदेशक प्रो. विकास गर्ग, डा. अनुप जियो-इंफोर्मेटिक टैक्नोलाजी के और संकाय विकास कार्यक्रमों के में सहायक आचार्य डा. जितेंब्र कुमार कुमार और डा. रितेश सहित डा. क्षेत्र में एक साथ मिलकर, एक मंच क्षेत्र में नवीनतम रुझानों के अनुसार ने बताया कि जियो-इंफोर्मेंटिक मनीष कुमार व सहायक आचार्य डा. पर आकर शिक्षण, अनुसंधान व बेहतर पाठ्यक्रम डिजाइन का कार्य टेक्नोलाजी आज हमारी दैनिक खेराज भी उपस्थित रहे।



हकेंवि व हरसैक के बीच हुए समझौता ज्ञापन को हस्तांतरित करते कु लपति प्रो टंकेश्वर कुमार व डा . वीएस आर्य 🖲 सौ. हकेवि

प्रशिक्षण के लिए आवश्यक प्रयास किया जाएगा। हरसैक के निदेशक करना है। प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा

डा. वीएस आर्य ने इस अवसर पर माध्यम से विद्यार्थियों को इस तकनीक कि अवश्य ही इस प्रयास के माध्यम कहा कि इस आपसी करार के माध्यम की जानकारी उपलब्ध करायेंगे। इस इस प्रयास के माध्यम से, भू-सूचना प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग और दक्षता आयोजित कार्यक्रम में कुलसचिव, विज्ञान, फील्ड ट्रेनिंग, विद्यार्थियों के के प्रति जागरूकता पैदा की जाएगी। प्रो. सारिका शर्मा,स्कूल ऑफ बेसिक लिए इंटर्नशिप और प्लेसमेंट, कौशल विश्वविद्यालय में टूंनिंग एंड प्लेसमेंट

गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आ रही है और उपयोग की जाने वाली विभिन्न प्रणालियों व तकनीकों में इस का उपयोग हो रहा है। इस तकनीक का शहरी नियोजन, मौसम पूर्वानुमान, यातायात नेविगेशन, रूट मैपिंग से लेकर आनलाइन डिलीवरी ऐप्स तक हर गतिविधि में उपयोग हो रहा है। ऐसे में दोनों संगठन संयक्त रूप से संगोष्ठी. सम्मेलन, कार्यशाला, अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, व्याख्यान आदि के साईंसेज के डीन प्रों. विनोद कुमार,

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Panjab Kesari

Date: 15-01-2022

<mark>जियो-इन्फॉर्मैटिक</mark> टैक्नोलॉजी के क्षेत्र में हकेंवि संग मिलकर काम करेगा हरसैक



हकेंबि व हरसैक के बीच हुए समझौता ज्ञापन को हस्तांरित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व डा. वी.एस. आर्य।

महेंद्रगढ़, 14 जनवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ और हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (हरसैक), हिसार जियो-इन्फॉर्मैंटिक टैक्नोलॉजी के क्षेत्र में अब मिलकर शिक्षण, अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्यक्रम के क्षेत्र में करेंगे। दोनों ही संस्थानों ने इस संबंध में आपसी सांझेदारी हेतु शुक्रवार को एक समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव, प्रो. सारिका शर्मा ने और हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (हरसैक) की ओर से निदेशक डा. वी.एस. आर्य ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस आपसी सांझेदारी का उद्देश्य जियो-इन्फॉर्मैंटिक टैक्नोलॉजी के क्षेत्र में एक साथ मिलकर, एक मंच पर आकर शिक्षण, अनुसंधानव प्रशिक्षण के लिए आवश्यक प्रयास करना है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस प्रयास के माध्यम से दोनों संगठन मिलकर इस क्षेत्र में नए बदलावों का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

इस प्रयास के माध्यम से भू- सूचना विज्ञान, फील्ड ट्रेनिंग, विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप और प्लेसमैंट, कौशल विकास कार्यक्रम, विशेषज्ञ व्याख्यान और संकाय विकास कार्यक्रमों के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों के अनुसार बेहतर पाट्यक्रम डिजाइन का कार्य किया जाएगा। हरसैक के निदेशक डा. वी.एस. आर्य ने इस अवसर पर कहा कि इस आपसी करार के माध्यम जियो-इन्फॉर्मेटिक टैक्नोलॉजी दैनिक गतिविधियों में निभा रही महत्वपूर्ण भूमिकाः डा. जितेंद्र

विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के उप निदेशक व भूगोल विभाग में सहायक आचार्य ख. जितंद्र कुमार ने बताया कि जियो-इन्फॉर्मेटिक टैक्नोलॉजी आजहमारी दैनिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आरही है और उपयोग की जाने वाली विभिन्न प्रणालियों व तकनीकों में इसका उपयोग हो रहा है। इस तकनीक का शहरी नियोजन, मौसम पूर्वानुमान, यातायात नैविगेशन, रूट मैपिंग से लेकर ऑनलाइन डिलीवरी एप्स तक हर गतिविधि में उपयोग हो रहा है।

ऐसे में दोनों संगठन संयुक्त रूप से संगोष्ठी, सम्मेलन, कार्यशाला, अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, व्याख्यान आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को इस तकनीक की जानकारी उपलब्ध कराएंगे। इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के लिए विश्वविद्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कुलसचिव, प्रो. सारिका शर्मा, स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज के डीन प्रो. विनोद कुमार, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रो. विकास गर्ग, हरसैक से ख. अनूप कुमार और ख. रितेश सहितभूमोल विभाग के शिक्षक प्रभारी ख. मनीष कुमार व सहायक आचार्य ख. खेराज भी उपस्थित रहे।

से विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों में प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग और दक्षता रिमोट सैंसिंग और जी.आई.एस. के प्रति जगरूकता पैदा की जाएगी।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Dainik Bhaskar

Date: 15-01-2022

शिक्षण, अनुसंधान व प्रशिक्षण हेतु समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर जियो-इंफॉर्मेटिक टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हकेंवि संग मिलकर काम करेगा हरसैक

भारकर न्यूज महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ और हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (हरसैक), हिसार जियो-इफोंमेंटिक टैक्नोलॉजी के क्षेत्र में अब मिलकर शिक्षण, अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्यक्रम के क्षेत्र में करेंगे। दोनों ही संस्थानों ने इस संबंध में आपसी साझेदारी हेतु शुक्रवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

समझौता ज्ञापन पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव, प्रो. सारिका शर्मा ने और हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (हरसैक) की ओर से निदेशक डॉ. वी.एस.आर्य ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस आपसी साझेदारी का उद्देश्य जियो-इफॉमेंटिक टैक्नोलॉजी के क्षेत्र में एक साथ मिलकर, एक मंच पर आकर शिक्षण, अनुसंधान व प्रशिक्षण के लिए आवश्यक प्रयास करना है।



हकेवि व हरसैक के बीच हुए समझौता ज्ञापन पर कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार की उपस्थिति में हस्ताक्षर करती कुलसचिव प्रो.सारिका शर्मा ।

प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस प्रयास के माध्यम से दोनों संगठन मिलकर इस क्षेत्र में नए बदलावों का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

इस प्रयास के माध्यम से, भू-सूचना विज्ञान, फील्ड ट्रेनिंग, विद्यार्थियों के लिए इंटर्नेशिप और प्लेसमेंट, कौशल विकास कार्यक्रम, विशेषज्ञ व्याख्यान और संकाय विकास कार्यक्रमों के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों के अनुसार बेहतर पाठ्यक्रम डिजाइन का कार्य किया जाएगा। हरसैक के

निदेशक डॉ. वीएस आर्य ने इस अवसर पर कहा कि इस आपसी करार के माध्यम से विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों में रिमोट सोंसिंग और जीआईएस प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग और दक्षता के प्रति जागरूकता पैदा की जाएगी। विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के उप निदेशक व भूगोल विभाग में सहायक आचार्य डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि जियो-इंफोर्मेटिक टेक्नोलॉजी आज हमारी दैनिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आ रही है और उपयोग की जाने वाली विभिन्न प्रणालियों व तकनीकों में इस का उपयोग हो रहा है।

इस तकनीक का शहरी नियोजन. मौसम पर्वानमान. यातायात नेविगेशन, रूट मैपिंग से लेकर ऑनलाइन डिलीवरी एप्स तक हर गतिविधि में उपयोग हो रहा है। ऐसे में दोनों संगठन संयक्त रूप से संगोष्ठी, सम्मेलन, कार्यशाला, अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, व्याख्यान आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को इस तकनीक की जानकारी उपलब्ध करायेंगे। इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के लिए विश्वविद्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कुलसचिव, प्रो. सारिका शर्मा, स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज के डीन प्रो.विनोद कमार, टेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. विकास गर्ग, हरसैक से डॉ.अनूप कुमार और डॉ. रितेश सहित भूगोल विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. मनीष कमार व सहायक आचार्य डॉ. खेराज भी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Amar Ujala

Date: 15-01-2022

शिक्षण, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर जियो-इन्फोमेटिक टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हकेवि संग मिलकर काम करेगा हरसेक

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (हरसेक) हिसार जियो-इन्फोमेटिक टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अब मिलकर शिक्षण, अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्यक्रम के क्षेत्र में काम करेंगे।

दोनों ही संस्थानों ने इस संबंध में आपसी साझेदारी के लिए शुक्रवार को एक समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। समझौते पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कुल सचिव प्रो. सारिका शर्मा और हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (हरसेक) की ओर से निदेशक डॉ. वीएस आर्य ने हस्ताक्षर किए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस आपसी साझेदारी का उद्देश्य जियो-इन्फोमेटिक टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में एक साथ मिलकर, एक मंच पर आकर शिक्षण, अनुसंधान, प्रशिक्षण के लिए आवश्यक प्रयास करना है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस प्रयास के माध्यम से दोनों संगठन



एमओयू पर हस्ताक्षर के बाद एक-दूसरे को दस्तावेज की कॉफी सौंपते हुए। संवाद

मिलकर इस क्षेत्र में नए बदलावों का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

इस प्रयास के माध्यम से भू सूचना विज्ञान, फील्ड ट्रेनिंग, विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप और प्लेसमेंट, कौशल विकास कार्यक्रम, विशेषज्ञ व्याख्यान और संकाय विकास कार्यक्रमों के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों के अनुसार बेहतर पाठ्यक्रम डिजाइन का कार्य किया जाएगा। हरसेक के निदेशक डॉ. वीएस आर्य ने कहा कि इस आपसी करार के माध्यम से विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों में रिमोट सेंसिंग और जीआईएस प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग और दक्षता के प्रति जागरूकता पैदा की जाएगी।

विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के उप निदेशक, भूगोल विभाग में सहायक आचार्य डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि जियो- इन्फोमेटिक टेक्नोलॉजी आज हमारी दैनिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आ रही है। उपयोग की जाने वाली विभिन्न प्रणालियों, तकनीकों में इस का उपयोग हो रहा है।

इस तकनीक का शहरी नियोजन, मौसम पूर्वानुमान, यातायात नेविगेशन, रूट मैपिंग से लेकर ऑनलाइन डिलिवरी एप तक हर गतिविधि में उपयोग हो रहा है। ऐसे में दोनों संगठन संयुक्त रूप से संगोष्ठी, सम्मेलन, कार्यशाला, अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, व्याख्यान आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को इस तकनीक की जानकारी उपलब्ध कराएंगे।